कृषि विज्ञान केन्द्र, माण्डू, रामगढ़ में चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, माण्डू, रामगढ़ में चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, अटारी, पटना के अध्यक्षता में की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलीत करके किया गया। आये हुए अतिथियों का स्वागत डॉ. ऐ. के. सिंह, प्रधान शोध केन्द्र प्लाण्डु, रॉची ने किया। उन्होंने केन्द्र की स्थापना से लेकर चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही पिछले दो वर्षो में किसानों को नई तकनीकी टूल्स जैसे वाट्सअप, विडियो, ऑडियों एवं ऑन–लाईन के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र की उपलब्धियों के बारे में प्रभारी डॉ. दुष्यन्त कुमार राघव ने बताया कि केन्द्र के वैज्ञानिकों ने जिले में टमाटर एवं शकरकन्द की खेती में सुक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, बैंगन एवं टमाटर में कीट प्रबंधन एवं मशरूम, प्लास्टिक मल्चिंग विधि से खेती हेतु प्रशिक्षण हेतु शोध प्रणाली पर परीक्षण परिणाम प्रस्तुत किये गये। जिससे जिले के किसानों को इन फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन एवं कीट प्रबंधन प्रशिक्षण प्रणाली पर अनुशंसा कि जा सकेगी। जिले में उन्नत प्रजाति के फलदार वृक्षों कि उलब्धता बढ़ाने हेतु हाईटेक नर्सरी की स्थापना होगी। जिसके माध्यम से रामगढ़ जिले एवं आस–पास के किसानों को गुणवत्तायुक्त फल एवं सब्जी के पौधे उपलब्ध हो सकेगें। अटारी निदेशक डॉ अंजनी कुमार ने कहा किसान एवं किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से उत्पादन किये जाने वाले सब्जियों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन पर जोर दिया जायेगा। युवा किसानों को खेती की ओर आकर्षित करने हेतु सघन खेती तकनीक एवं जलवायु अनुकूल फसल प्रणाली, बायोफोर्टिफाइड किस्मों को कृषि प्रणाली में अपनाने हेतु किसानों को कहा गया। डॉ. जगन्नाथ उरॉव निदेशक, प्रसार शिक्षा, बी.ए.यू., रॉची ने अधिक से अधिक किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र में भ्रमण करने की बात कही। डॉ. के.के. शर्मा निदेशक भारतीय प्राकृतिक रॉल एवं गोंद अनुसंधान संस्थान, रॉची ने किसानों को मिश्रित खेती करने पर जोर दिया। डॉ अभय कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने धान कटनी के बाद धान वाले खेत में किसानों का सरसों के उत्पादन करने की सलाह दी। जिला कृषि पदाधिकारी श्री राजेन्द्र किशोर ने प्रगतिशील कृषकों को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा बताई गई तकनीकों के

माध्यम से खेती करने के लिए किसानों को कहा। श्री उपेन्द्र साह, डी.डी.एम., नाबार्ड ने कहा कि एफ.पी.ओं. के माध्यम से किसान संगठिन होकर विपणन की समस्या का हल कर सकते हैं। श्री अमरेन्द्र कुमार गुप्ता, सदस्य, क्षेत्रीय परामर्श दात्री समिति, नाबार्ड, झारखण्ड ने जिले में पपीता एवं शरीफा के उत्पादन के बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र के खुल जाने से यहॉ सब्जियों एवं फलों के उत्पादन में अधिक वृद्धि हुई है। श्री मनोज ठाकुर जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़ ने खेती के साथ–साथ मछली उत्पादन पर जोर दिया। श्री रविश चन्द्रा, जिला उद्यान पदाधिकारी एवं परियोजना निदेशक श्री प्रवीण कुमार सिंह ने किसानों को समय–समय पर तकनीकी प्रशिक्षण लेने कि बात कही। हॉली क्रॉस कृषि विज्ञान केन्द्र, हजारीबाग के प्रधान डॉ. आर. के. सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा की जा रही तकनीकी हस्तानांतरण को किसानों को अमल में लाने कि बात कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथियों के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के तालाब में मछली का फिंगरलिग डाला गया। बैठक में डॉ सोमेश्वर भगत, केन्द्रीय उपराउ भूमि चावल अनुसंधन केन्द्र, हजारीबाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ के डॉ. इन्द्रजीत, डॉ. धर्मजीत खेरवार, श्री सन्नी कुमार, श्री सन्नी आशीष बालमुचू,श्री शशि कान्त चौबे, सपोर्ट, माण्डु एवं ग्रामीण सेवा संध के प्रतिनिधि के साथ जिले के विभिन्न किसान श्रीमति सुनिता देवी, राम कुमार उराव, महादेव मांझी, संतोष बेदिया, जरासंध महतो उपस्थित थे।

Shot on realme 8 Pro | 108MP
2021 09 08 11:28

कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़
चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक
दिनांक– 08 सितम्बर 2021
कृषि विज्ञान केन्द्र
माण्डू, रामगढ, झारखण्ड

चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक
दिनांक– 08 सितम्बर 2021
कृषि विज्ञान केन्द्र
Shot on realme 8 Pro | 108MP